छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल, रायपुर

कक्षा ग्यारहवीं (11th)

प्रायोगिक/प्रायोजना कार्य हेतु
प्राचार्य/परीक्षकों के लिए

निर्देश

सत्रः 2017–18

विषय :– 1.भौतिकी /रसायन /जीव विज्ञान
2. लेखाशास्त्र/व्यवसाय अध्ययन/अर्थशास्त्र

प्रायोगिक/प्रायोजना कार्य हेतु दिशा निर्देश एवं परीक्षा मूल्यांकन योजना

सर्वाधिकार सुरक्षित – छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल, रायपुर

कक्षा– 11 वीं

NCERT के अंगीकृत 7 विषयों की प्रायोजना हेतु निर्देश

1. सत्रगत् की गई प्रायोजना में से विषयानुसार किसी भी एक प्रायोजना पर आंतरिक मूल्यांकन किया जाएगा।
2. प्रायोजना हेतु अंक विभाजन परियोजना कार्य के मूल्यांकन योजना के निर्देशानुसार किया जाये।
3. शिक्षक द्वारा विद्यार्थियों को प्रायोजना पूर्ण करने हेतु आवश्यकतानुसार निर्धारित समयावधि प्रदान की जानी चाहिए।
4. प्रायोजना कार्य का आंतरिक मूल्यांकन पूर्णतः शालेय स्तर पर विषय शिक्षक द्वारा विद्यालयीन संसाधनों से किया जायेगा।
5. मूल्यांकन उपरांत शाला की सील और प्राचार्य हस्ताक्षर करवाए जाये ताकि अगले सत्र में इनका उपयोग न हो सके। तथा एक वर्ष तक विद्यालय में रिकार्ड सुरक्षित रखें जाए।
6. शिक्षक द्वारा विद्यार्थियों द्वारा स्वयं प्रायोजना कार्य किए जाने की सुनिश्चितता अवश्य की जानी चाहिए ताकि छात्र रेडीमेड प्रायोजना का उपयोग न कर सके।
7. छात्रों में संचार कौशल क्षमता एवं आत्मविश्वास विकसित करने हेतु प्रायोजना का प्रस्तुतीकरण अथवा प्रदर्शन करवाया जाना चाहिए।

टीपः– प्रायोगिक कार्य हेतु विषयवार मूल्यांकन योजना निर्देशानुसार शालेय स्तर पर सम्पन्न कराया जाना सुनिश्चित करें।

प्रायोजना कार्य के पद–

1. समस्या का चयन/विद्यार्थी द्वारा विषय का चुनाव
2. उचित शीर्षक का चुनाव तथा उपशीर्षक में विभाजन
3. प्रायोजना हेतु निर्धारित समयावधि में पूर्ण करने हेतु आवश्यकता कार्य योजना का निर्धारण एवं प्रायोजना प्रबंधन
4. आवश्यक संसाधनों/प्रक्रिया का चुनाव।
5. रिपोर्ट तैयार करना/फॉइल बनाना।

प्रायोजना का प्रस्तुतिकरण–

निर्धारित अवधि के अंत में प्रत्येक छात्र अपनी प्रायोजना रिपोर्ट तैयार कर प्रस्तुत करेगा।

- संपूर्ण प्रायोजना एक फाइल प्रारूप में होनी चाहिए।
- हस्तलिखित होनी चाहिए
- कवर पेज में प्रोजेक्ट का शीर्षक, विद्यार्थी संबंधी जानकारी, शाला का नाम, सत्र तथा शिक्षक के हस्ताक्षर सहित होना चाहिए।
- अनुग्रह पृष्ठ में प्रस्तावना व आभार प्रदर्शन होना चाहिए।
- अगले पृष्ठ पर प्राचार्य द्वारा प्रमाणीकरण संलग्न होना चाहिए।
- तत्पश्चात् अनुक्रमणिका होनी चाहिए।
- प्रायोजना कार्य के दौरान कार्य योजना प्रणाली
- अवलोकन, निष्कर्ष।
- संकलित आंकड़ों/सूचनाओं/माध्यमों का संकलन एवं प्रस्तुतीकरण।
- समस्या/समाधान/सुझाव/निष्कर्ष
- परिशिष्ट (संलग्नक) /संदर्भ/ग्रंथ सूची
- शिक्षक की रिपोर्ट

छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल, रायपुर

मूल्यांकन योजना (Evaluation Scheme)

सत्र 2017–18

कक्षा – ग्यारहवीं (XI)

विषय – भौतिकी (Physics)

Subject Code – (201)

प्रायोगिक कार्य (Practical Work)

समय : 03 घण्टे
(Time :Three Hours)

अधिकतम अंक : 30 अंक
(Max. Marks 30)

सरल क्रमांक S.No.	विषयवस्तु (Heading)	अंकभार Marks allotted
1	प्रत्येक खण्ड से एक–एक प्रयोग (02) (Two experiments one from each section.)	8 +8 Marks
2	प्रायोगिक रिकार्ड (क्रियाकलापों के प्रयोग) (Practical Record (experiments of activities).	6 Marks
3	अनुसंधानात्मक प्रायोजना (Investigatory project.)	3 Marks
4	मौखिक (प्रयोग क्रियाकलापों एवं प्रायोजना पर) Viva on experiments, activities and project.	5 Marks
	Total (कुल अंक)	**30 Marks**

कक्षा – 11वीं

विषय–भौतिकी

प्रायोगिक पाठ्यक्रम

खण्ड – अ

प्रयोग

1. वर्नियर केलिपर्स के उपयोग :–
   - एक लघु गोलाकार वस्तु अथवा बेलनाकार वस्तु का व्यास मापना।
   - एक दिए हुए ज्ञात संहति के आयाताकार गुटके के परिमाप मापना और इससे उसके घनत्व का निर्धारण करना।
   - दिए गए कैलोरोमापी / बीकर का आंतरिक व्यास, गहराई और आयतन का निर्धारण करना।
2. स्क्रूगेज के उपयोग :–
   - दिए गए तार के व्यास का मापन।
   - एक दी हुई शीट की मोटाई मापना।
   - एक अनियमित आकृति के पत्तर का आयतन मापना।
3. दिये गये उत्तल लेंस की वक्रता त्रिज्या का गोलाई मापी की सहायता से निर्धारण।
4. Beam Balance की सहायता से दो भिन्न वस्तुओं के द्रव्यमान का निर्धारण।
5. वेक्टरों के समांतर चतुर्भुज के नियम को द्वारा दी गयी वस्तु का भार ज्ञात करना।
6. सरल लोलक के द्वारा L-T और $L\text{-}T^2$ ग्राफ बनाना तथा उपयुक्त ग्राफ की सहायता से सेकण्ड के लोलक की प्रभावी लंबाई निर्धारित करना।
7. सीमांत घर्षण बल और अभिलंब प्रतिक्रिया के बीच संबंध का अध्ययन करना और एक गुटके और क्षितिज तल के बीच घर्षण गुणांक का निर्धारण करना।
8. किसी आनत तल पर बेलन (Roller) पर गुरूत्व के कारण नीचे की ओर तल के सदिश लगने वाले बल का निर्धारण करना तथा बल और $\text{Sin}\theta$ में ग्राफ खींचकर क्षितिज के साथ कोण और बल में संबंध का अध्ययन करना।

क्रियाकलाप

1. दिए गए अल्पमांक जैसे 0.2 cm, 0.5 cm से पेपर स्केल बनाना।
2. दी गई वस्तु का द्रव्यमान मीटर पैमाने के उपयोग से मापना।
3. उचित पैमानों के चयन और त्रुटि संकेतों द्वारा दिए गए आँकड़ों के समुच्चय के लिए ग्राफ का आलेखन करना।
4. एक क्षितिज तल पर रोलर के लुढ़कन के लिए सीमांत घर्षण बल को मापना।
5. प्रक्षेप्य कोण द्वारा जल के जेट के परास में परिवर्तन का अध्ययन करना।
6. एक आनत तल पर नीचे की ओर लुढ़कती गेंद में ऊर्जा संरक्षण का अध्ययन करना (एक दोहरे आनत तल का उपयोग करना)
7. एक सरल लोलक में उसके आयाम के वर्ग और समय के बीच ग्राफ खींचकर ऊर्जा (क्षय) रूपांतरण का अध्ययन करना।

खण्ड – ब

प्रयोग

1. दिये गये तार के पदार्थ का यंग प्रत्यास्थता गुणांक ज्ञात करना।
2. दोलन विधि की सहायता से एक सर्पिल स्प्रिंग के T^2-m ग्राफ खींचकर बल नियतांक तथा प्रभावी द्रव्यमान का निर्धारण करना।
3. स्थिर ताप पर उपलब्ध वायु का P तथा V के मध्य और P तथा 1/V के मध्य ग्राफ खींचकर दाब के साथ आयतन परिवर्तन का अध्ययन करना।
4. केशिकीय उन्नयन विधि की सहायता से जल के पृष्ठ तनाव का निर्धारण करना।
5. एक दिये गये गोलाकार पिण्ड के सीमांत वेग का मापन कर दिये गये द्रव का श्यानता गुणांक निर्धारण करना।
6. शीतलन वक्र की सहायता से किसी गर्म वस्तु के ताप और समय के मध्य संबंध का अध्ययन करना।
7. स्वरमापी की सहायता से नियत तनाव पर तनी हुई तार की आवृत्ति और लंबाई में संबंध का अध्ययन करना।
8. स्वरमापी की सहायता से नियत आवृत्ति पर तनी हुई तार की लंबाई और तनाव में संबंध का अध्ययन करना।
9. कमरे के ताप अनुनाद नली की सहायता से दो अनुनाद स्थितियों द्वारा वायु में ध्वनि की चाल ज्ञात करना।
10. मिश्रण विधि की सहायता से दिये गये एक ठोस और द्रव की विशिष्ट ऊष्मा धारिता का निर्धारण करना।

क्रियाकलाप

1. अवस्था परिवर्तन का अवलोकन करना और पिघली मोम के लिए शीतलन वक्र खींचना।
2. द्विधात्वीय पट्टी (Bimetallic Strip) पर ताप के प्रभाव का अवलोकन करना और व्याख्या करना।
3. गरम करने पर एक पात्र में रखें द्रव की सतह परिवर्तन का अवलोकन करना और व्याख्या करना।
4. जल के पृष्ठ तनाव पर डिटरजेंट के प्रभाव का केशिकीय उन्नयन के अवलोकन द्वारा अध्ययन करना।
5. किसी द्रव की ऊष्मा क्षय की दर को प्रभावित करने वाले कारकों का अध्ययन करना।
6. उपयुक्त कसे हुए भारित पैमाने के अवनमन पर भार के प्रभाव का अध्ययन करना–

   (i) इसके अंत में (ii) मध्य में।

छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल, रायपुर

मूल्यांकन योजना (Evaluation Scheme)

सत्र 2017–18

कक्षा – ग्यारहवीं (XI)

विषय – रसायन (Chemistry)

Subject Code – (-202)

प्रायोगिक कार्य (Practical Work)

समय : 03 घण्टे
(Time :Three Hours)

अधिकतम अंक : 30 अंक
(Max. Marks 30)

सरल क्रमांक S.No.	विषयवस्तु (Heading)	अंकभार Marks allotted
1	(आयतनात्मक विश्लेषण) Volumetric Analysis.	8 Marks
2	(लवण विश्लेषण) Salt Analysis.	8 Marks
3	(विषयवस्तु आधारित प्रयोग) Content Based Experiment.	6 Marks
4	(प्रायोजना कार्य) Project Work.	4 Marks
5	(रिकार्ड एवं मौखिक) Class Recard & Viva.	4 Marks
	Total (कुल अंक)	**30 Marks**

कक्षा – 11वीं
विषय–रसायन (202)
प्रायोगिक पाठ्यक्रम

A. मूल प्रयोगशाला तकनीकें :–

- काँच की नली एवं काँच की छड़ को काटना।
- काँच की नली को मोड़ना (Bending a glass tube)
- एक काँच की नली से जेट खींचना (Drawing out a glass jet)
- दिए हुये कार्क में छेद करना (Boring a Cork)

B. रसायनिक पदार्थों की पहचान एवं शुद्धिकरण :–

- दिए गए क़ार्बनिक यौगिक का गलनांक ज्ञात करना।
- दिए गए कार्बनिक यौगिक का क्वथनांक ज्ञात करना।
- निम्न यौगिकों के अशुद्ध नमूने में से किसी एक का क्रिस्टल बनाना (क्रिस्टलीकरण) – (एलम, कॉपर, सल्फेट, बेन्जोइक अम्ल)

C. ph परिवर्तन पर आधारित प्रयोग :–

- निम्न में से कोई एक प्रयोग
    1. फलों के रस से प्राप्त विलयन, विभिन्न सांद्रताओं के अम्लों, क्षारों तथा लवणों का pH पेपर या सार्वत्रिक सूचक की सहायता से pH ज्ञात करना।
    2. समान सांद्रता के प्रबल अम्ल तथा दुर्बल अम्ल के pH की तुलना करना।
    3. सार्वत्रिक सूचक का प्रयोग करते हुए प्रबल अम्ल के साथ प्रबल क्षार के अनुमापन में pH परिवर्तन का अध्ययन करना।
- समआयन प्रभाव द्वारा दुर्बल अम्ल तथा दुर्बल क्षार में pH परिवर्तन का अध्ययन करना।

D. रासायनिक साम्य (निम्न में से कोई एक प्रयोग) :–

- फैरिक आयन्स तथा थायोसायनेट आयन्स के मध्य किसी एक आयन की सांद्रता के घटने/बढ़ने से साम्यावस्था परिवर्तन का अध्ययन करना।

- $[Co(H_2O)_6]^{2+}$ तथा क्लोराइड आयन्स के मध्य किसी एक आयन्स की सान्द्रता परिवर्तन द्वारा साम्यावस्था में परिवर्तन का अध्ययन करना।

E. परिमाणात्मक निर्धारण :–

- रासायनिक तुला का उपयोग।
- ऑक्सेलिक अम्ल का मानक विलयन बनाना।
- ऑक्सेलिक अम्ल के मानक विलयन की सहायता से अनुमापन द्वारा दिए गए सोडियम हाइड्रॉक्साइड की सान्द्रता का निर्धारण करना।
- सोडियम कार्बोनेट के मानक विलयन का निर्माण करना।
- सोडियम कार्बोनेट के मानक विलयन की सहायता से अनुमापन द्वारा दिए गए हाइड्रोक्लोरिक अम्ल की सान्द्रता का निर्धारण करना।

F. गुणात्मक विश्लेषण :–

- दिये गये लवण में से एक धन आयन तथा ऋण आयन की पहचान करना

  Cations – Pb^{2+} , Cu^{2+} , As^{3+} , Al^{3+} , Fe^{3+} , Mn^{2+} , Ni^{2+} , Zn^{2+} , Co^{2+} , Ca^{2+} , Sr^{2+}, Ba^{2+} , Mg^{2+} , NH_4^+

  Anions – CO_3^{2-} , S^{2-} , SO_3^{2-} , SO_4^{2-} , NO_2^- , NO_3^- , Cl^- , Br^- , I^- , PO_4^{3-} , $C_2O_4^{2-}$, CH_3COO^- (अघुलनशील लवण छोड़कर)
- कार्बनिक यौगिकों में नाइट्रोजन, सल्फर, क्लोरीन की पहचान करना।

प्रायोजना

प्रयोगशाला परीक्षण तथा अन्य स्त्रोत से एकत्रित जानकारी वैज्ञानिक जाँच में शामिल है।

कुछ प्रस्तावित प्रयोजना निम्नानुसार है –

1. सल्फाइड आयन्स परीक्षण द्वारा पेयजल में जीवाणु (बैक्टीरियल) दूषितीकरण की जाँच करना।
2. पानी की शुद्धिकरण की विधियों का अध्ययन करना।
3. क्षेत्रीय भिन्नताओं के कारण पेयजल में कठोरता तथा आयनों (लोहा, फ्लोराइड तथा क्लोराइड) की उपस्थिति आदि का परीक्षण करना और इन आयनो की निर्धारित सीमा से अधिक उपस्थिति के कारणों का अध्ययन करना।
4. साबुन के विभिन्न नमूनों की झाग बनाने की क्षमता का परीक्षण करना तथा इसमें सोडियम कार्बोनेट मिलाने के प्रभाव का अध्ययन करना।
5. चाय की पत्ती के विभिन्न नमूनों की अम्लीयता का अध्ययन करना।
6. विभिन्न द्रवों के वाष्पन की दर का निर्धारण करना।
7. विभिन्न रेशों के सुतन्यता पर अम्ल तथा क्षारों के प्रभाव का अध्ययन करना।
8. फलों तथा सब्जियों के रस में उपस्थित अम्लीयता का अध्ययन करना।

नोटः इसके अतिरिक्त कोई भी अन्य प्रायोजना जिसमें 10 कालखण्ड कार्य हेतु शामिल है, शिक्षक के अनुमोदन से चयन की जा सकती है।

छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल, रायपुर

मूल्यांकन योजना

(Evaluation Scheme)

सत्र 2017–18

कक्षा – ग्यारहवीं (XI)

विषय – जीवविज्ञान (Biology)

Subject Code – (203)

प्रायोगिक कार्य (Practical Work)

समय : 03 घण्टे
(Time :Three Hours)

अधिकतम अंक : 30 अंक
(Max. Marks 30)

सरल क्रमांक S.No.	विषयवस्तु (Heading)	अंकभार Marks allotted
1	एक मुख्य प्रयोग Part A (Ex.No. 1,3,7,8). One Major Experiment Part A (Ex.No. 1,3,7,8).	5 Marks
2	एक गौण प्रयोग Part A (Ex.No. 6,9.10,11,12,13). One Minor Experiment Part A (Ex.No. 6,9.10,11,12,13).	4 Marks
3	अस्थाई स्लाइड बनाना Part A (Expt 2,4,5). Slide preperation Part A (Expt 2,4,5).	5 Marks
4	स्पाटिंग Part B. Spotting Part B.	8 Marks
5	प्रायोगिक रिकार्ड + मौखिक Practical Record + Viva (A)	4 Marks
6	प्रायोजना रिकार्ड + मौखिक Project Record + Viva (B)	4 Marks
	Total (कुल अंक)	30 Marks

कक्षा – 11वीं

विषय – जीव विज्ञान (203)

प्रायोगिक पाठ्यक्रम

अ. **प्रयोग सूची :–**

1. स्थानीय स्तर पर उपलब्ध तीन सामान्य पुष्पीय पादप का अध्ययन तथा वर्णन – सोलेनेसी, फैबेसी, लिलिएसी (इनके स्थान पर विशेष भौगिलिकी स्थिति के आधार पर ऐस्टेरेसी (कम्पोजिटी) या ब्रेसीकेसी भी ली जा सकती है) प्रत्येक में से एक पुष्प का पुष्पीय विच्छेदन व पुष्पीय सूत्र, पुष्पीय आरेख (अंडाशय, परागकोष में कक्षों की संख्या दर्शाने हेतु), जड़ों के प्रकार (Tap and adventitious), तना (Herbaceous and woody) पत्ती (व्यवस्थापन, आकार, शिराविन्यास, सरल तथा संयुक्त पत्ती) एक कशेरूकी तथा एक अकशेरूकीय जन्तु की आकारिकी तथा आंतरिक संरचना का चार्ट /मॉडल की सहायता से अध्ययन करना।
2. द्विबीजपत्री तथा एकबीजपत्री जड़ तथा तने के अनुप्रस्थ काट की अस्थाई स्लाइड बनाकर अध्ययन करना (प्राथमिक)।
3. आलू आसमोस्कोप द्वारा परासरण का अध्ययन।
4. एपिडर्मल पील्स में प्लाज्मोलिसिस का अध्ययन (e.g. Rhoeo leaves)
5. पत्तियों के ऊपरी एवं निचली सतह में स्टोमेटा के वितरण का अध्ययन।
6. पत्ती की ऊपरी सतह एवं निचली सतह में वाष्पोत्सर्जन की दर का तुलनात्मक अध्ययन।
7. उपयुक्त जंतु तथा पादप पदार्थो में शर्करा, स्टॉर्च, प्रोटीन तथा वसा की उपस्थिति का परीक्षण तथा पहचान करना।
8. पेपर क्रोमेट्रोग्राफी द्वारा वर्णकों (Pigment) का पृथक्करण।
9. पुष्पकलिका/पर्णऊतक, अंकुरित बीजों में श्वसन दर का अध्ययन।
10. मूत्र में यूरिया की उपस्थिति का परीक्षण।
11. मूत्र में शर्करा की उपस्थिति का परीक्षण।
12. मूत्र में एलब्यूमिन की उपस्थिति का परीक्षण।
13. मूत्र में पित्तलवण की उपस्थिति का परीक्षण।
14. विभिन्न ताप में स्टॉर्च पर Salivary Gland amylase के प्रभाव का अध्ययन करना।
15. Seeds/Raisins में अंत: चूषण का अध्ययन।

स.

ब. निम्नलिखित का अवलोकन तथा अध्ययन :–

1. संयुक्त सूक्ष्मदर्शी के विभिन्न भागों का अध्ययन।
2. स्लाइड/स्पेसीमेन का अध्ययन तथा कारण सहित पहचान – Bacteria, Oscillatoria, Spirogyra, Rhizopus, Mushroom, Yeast, Liverwort, Moss, Fern, Pine, One Monocotyledonous plant, Dicotyledonous plant and one lichen.
3. स्पेसीमेन का अध्ययन तथा कारण सहित पहचान – Amoeba, Hydra, Leverfluke, Ascaris, Leech, Earthworm, Prawn, Silkworm, Honeybee, Snail, Starfish, Shark, Rohu, Frog, Lizard, Pigeon and Rabbit.
4. पादप तथा जन्तु कोशिकाओं के आकार तथा आकृति में विविधता तथा ऊतकों का अध्ययन – Palisade cells, Guard cells, Parenchyma, Collenchyma, Sclerenchyma, Xylem, Phloem, Squamous, epithelium, Muscle Fiber and Mammalian blood smear (स्थायी एवं अस्थायी स्लाइड के माध्यम से)
5. Onion root tip cells and animals cells (टिड्डा) स्थायी स्लाइड से समसूत्री विभाजन का अध्ययन।
6. जड़, तना, पत्ती के विभिन्न रूपान्तरण का अध्ययन।
7. विभिन्न प्रकार के पुष्पक्रम (Cymose and Recemose) की पहचान एवं अध्ययन।
8. दिखाए गए निम्नलिखित प्रायोगिक सेट का अवलोकन तथा टिप्पणी
   - अ – Anareobic respiraton
   - ब – Phototropism
   - स – Effect of apical bud removal (शीर्षस्थ कलिका हटाने का प्रभाव)
   - द – Suction due to transpiration
9. प्रादर्श/चार्ट के माध्यम से मानव कंकाल तथा विभिन्न प्रकार के संधियों का अध्ययन।
10. प्रादर्श/चार्ट के माध्यम से केचुआ, कॉकरोच, मेंढ़क की बाह्य आकारिकी का अध्ययन।

स. प्रायोजना

1. अनुसंधानात्मक प्रायोजना
2. पारिस्थितिक तंत्र संबंधी प्रायोजना
3. जीव विज्ञान की आधुनिक अवधारणा
4. विज्ञान के उन्नति में मानव का योगदान
5. दैनिक जीवन में एन्जाइम का उपयोग
6. विषाणुओं का आर्थिक महत्व

7. जीवाणुओं का आर्थिक महत्व
8. आर्थोपोड्स का आर्थिक महत्व
9. हेल्मिनथीज का आर्थिक महत्व
10. प्राकृतिक तथा मानव निर्मित परितंत्र
11. वनों का नवीनीकरण तथा वनीकरण के प्रयास
12. हरबेरियम तैयार करना

टीप :– पाठ्यक्रम आवश्यकतानुसार शिक्षक प्रायोगिक कार्य हेतु दिए गए मूल प्रायोगिक कार्य/सूची में बिना परिवर्तन किए आंशिक परिवर्तन कर सकते है।

छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल, रायपुर

मूल्यांकन योजना (Evaluation Scheme)

सत्र 2017–18

कक्षा – ग्यारहवीं (XI)

विषय – लेखाशास्त्र (Accountancy)

Subject Code – (301)

प्रायोजना कार्य (Project Work)

अधिकतम अंक : 10 अंक
(Max. Marks 10)

सरल क्रमांक S.No.	विषयवस्तु (Heading)	अंकभार Marks allotted
1	प्रस्ताव, सहयोगिता एवं सहभागिता Initiative, cooperativeness and participation.	1 Marks
2	प्रस्तुतिकरण में सृजनात्मकता Creativity in presentation.	1 Marks
3	विषय वस्तु अवलोकन एवं अनुसंधान कार्य Content, observation and Research work.	2 Marks
4	परिस्थितियों का विश्लेषण Analysis of situation.	2 Marks
5	मौखिक Viva.	4 Marks
	Total (कुल अंक)	**10 Marks**

विषय –लेखाशास्त्र

भाग तीन– प्रायोजन कार्य (कोई – 1)

1. **स्त्रोत** दस्तावेजो का संग्रह , वाउचर्स तैयार करना तथा वाउचर्स की सहायता से लेनदेन का अभिलेखन।

2. **बीस** से पच्चीस लेनदेन वाली गई कैशबुक तथा पासबुक से बैक समाधान विवरण **तैयार** करना।

3. **कोई** एक एकल स्वामित्व व्यापार की व्यापक प्रायोजना तथा ट्रॉयल बैलेंस तैयार कर **बही** खाता की प्रविष्टियों से ट्रॉयल किया जा सकता है

<u>व्यापक प्रायोजना</u>

वित्तीय विवरण तैयार करने की इकाई पूर्ण होने के पश्चात प्रायोजना करने का सुझाव दिया जाता है। विद्यार्थियो को स्वंय की अभिरूचि अनुसार प्रायोजना चयन करने की इच्छा व्यापार परिकल्पना के लेनदेन को विकसित करने अनुमति दी जानी चाहिये। प्रायोजना को अध्याय के माध्यम से कराना तथा प्रोजेक्ट निर्माण की क्रिया को अधिक दिलचस्प बनाना है, तथा परिणामों को अधिक मात्रा में यर्थाथवादी व वास्तविकता के करीब होना चाहिए। प्रायोजना चयन के पश्चात विद्यार्थियो को इलाके कि दुकान पर जाने की सलाह दे। (यह उन्हे विभिन्न मदों के वास्तविक परिणाम सुनिश्चित करने मे मददगार होगा। छात्र विभिन्न ऐसी वस्तुओ को देखने में सक्षम होगे (फर्नीचर, सजावट, रोशनी, मशीन, कम्प्यूटर आदि) जो उनके दैनिक जीवन से संबंधित है।

शिक्षकों हेतु विशिष्ट दिशा निर्देश :

1. छात्रो को व्यापार स्वरूप चयन हेतु विकल्प की सूची दी गई । (आप दी गई सूची मे स्थानीय आधार पर अन्य विकल्प जोड़ सकते है।)

1 A Beauty pariour	10 Men's Wear	19 A Coffee Shop
2 Men's Saloon	11 Ladies wear	20 A Music Shop
3 A tailoring Shop	12 A Sarees Shop	21 A Juice Shop
4 A canteen	13 Kids Wear	22 A School Canteen
5 A Cake shop	14 Artificial Jewellery Shop	23 An Ice Cream Pariour
6 A Confectionery Shop	15 A Small Restaurant	24 A Sandwich Shop

7	A Chocolate Shop	16 A Sweet Shop	25 A Flower Shop
8	A Dry Cleaner	17 A grocery Shop	
9	A Stationary Shop	18 A Shoe Shop	

2. प्रस्तावित सूची – विभिन्न आइटम की सूची निम्नानुसार :–

1	Rent	19	Wages and Salary
2	Advance rent (approximately three months)	20	Newspaper And Magazines
3	Electricity Deposit	21	Petty Expenses
4	Electricity Bill	22	Tea Expenses
5	Electricity Fitting	23	Packaging Expenses
6	Water Connection Security Deposit	24	Transport
7	Water Fitting	25	Delivery cycle or a vehicle purchased
8	Telephone Security Deposit	26	Registration
9	Telephone Instrument	27	Insurance
10	Furniture	28	Auditors Fee
11	Computer	29	Repairs & maintenance
12	Internet Connection	30	Depreciations
13	Stationary	31	Air Conditioners
14	Advertisements	32	Fans and lights
15	Glow sign	33	Interior Decorations
16	Rates and Taxes	34	Refrigerators
17	Telephone Bill	35	Purchase and sales
18	Water Bill		

इस स्तर पर छात्रों को अत्याधिक वास्तविक प्रारूप व खाते उपलब्ध कराया जाए तथा उन्हें पूर्ण करने कहा जाए। अगले चरण में छात्रों से ट्रॉयल बैलेन्स तथा वित्तिय विवरण तैयार की उम्मीद की जाती है।

22109

छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल, रायपुर

मूल्यांकन योजना (Evaluation Scheme)

सत्र 2017–18

कक्षा – ग्यारहवीं (XI)

विषय – व्यवसाय अध्ययन (Buisness-Studies)

Subject Code – (302)

प्रायोजना कार्य (Project Work)

अधिकतम अंक : 10 अंक
(Max. Marks 10)

सरल क्रमांक S.No.	विषयवस्तु (Heading)	अंकभार Marks allotted
1	प्रस्ताव, सहयोगिता एवं सहभागिता Initiative, cooperativeness and participation.	1 Marks
2	प्रस्तुतिकरण में सृजनात्मकता Creativity in presentation.	1 Marks
3	विषय वस्तु अवलोकन एवं अनुसंधान कार्य Content, observation and Research work.	2 Marks
4	परिस्थितियों का विश्लेषण Analysis of situation.	2 Marks
5	मौखिक Viva.	4 Marks
	Total (कुल अंक)	10 Marks

व्यवसायिक अध्ययन
कक्षा – 11वीं
प्रायोजना कार्य

उद्देश्य :–

प्रायोजना कार्य से छात्रों को निम्न जानकारी प्राप्त होगी :–

1. आधुनिक प्रौद्यगिकी का उपयोग कर व्यापार एवं प्रबंधन के क्षेत्र में व्यावहारिक दृष्टिकोण विकसित करना।
2. व्यवसाय प्रबंधन तथा उससे संबंधित सेवाओं के क्षेत्र में संचालन का अवसर प्राप्त होना।
3. टीम वर्क, समस्या समाधान, समय प्रबंधन, सूचना संग्रहण, प्रक्रिया के महत्वपूर्ण कौशल विकास के साथ –साथ उपयुक्त सूचनाओं के संश्लेषण एवं विश्लेषण द्वारा सार्थक निष्कर्ष पर पहुँचना।
4. अनुसंधान कार्य की प्रक्रिया में शामिल होना।
5. स्वतंत्र कार्य करते हुये स्वंय की क्षमताओं का प्रदर्शन तथा प्रायोजना अध्ययन में मनोरंजक अनुभव प्राप्त करना।

शिक्षक के लिये निर्देश :–

शिक्षकों हेतु छात्रों को प्रायोजना कार्य देते समय वार्तालाप, सहयोग, मार्गदर्शन, निर्देश तथा प्रोत्साहन अत्यंत आवश्यक है। शिक्षक एकल या समूह में छात्रों को प्रायोजना कार्य करवा सकते है तथा छात्रों द्वारा प्रायोजना को अंतिम रूप देते समय शिक्षक को यह सुनिश्चित करना चाहिये कि प्रायोजना कार्य के प्रत्येक चरण में ड्राफ्ट समीक्षा की जाये। सम्पूर्ण शैक्षणिक सत्र में प्रायोजना कार्य हेतु 16 कालखण्ड निर्धारित किए जाए। छात्र द्वारा स्वयं प्रायोजना कार्य किये जाने की सुनिश्चितता शिक्षक द्वारा अवश्य की जाना चहिये कि छात्र व्यावसायिक तैयार (रेडीमेड) प्रायोजना का उपयोग न कर सके।

प्रायोजना के पद :–

1. कक्षा 11वीं के शैक्षणिक सत्र में किसी एक प्रायोजना का चयन करना चाहिये।
2. प्रायोजना कार्य व्यक्तिगत रूप से अथवा सामूहिक किया जा सकता है।
3. कक्षा में छात्रों से चर्चा उपरांत ही रूचि अनुरूप प्रायोजना कार्य सौंपा जाना चाहिये। तथा प्रायोजना समाप्ति के प्रत्येक पद पर चर्चा तथा आवश्यकतानुसार समाधान किया जाना चाहिये।
4. शिक्षक को एक सुविधाप्रदाता की भूमिका निभानी चहिए। तथा प्रायोजना समाप्ति की प्रक्रिया का बारीकी से अवलोकन किया जाना चाहिये।
5. शिक्षकों को यह सुनिश्चित किया जाना चहिये कि छात्र प्रायोजना कार्य करने एंव इसे आगे बढ़ाने में सक्षम है तथा प्रायोजना कार्य को सहज रूप में बिना तनाव से करे।

6. छात्रों की संचार कौशल क्षमता तथा आत्मविश्वास विकसित करने हेतु प्रायोजना कक्षा में पावर पाइन्ट के माध्यम से या प्रदर्शन के माध्यम से प्रस्तुतीकरण कराया जाना चाहिये।

शिक्षक को विद्यार्थियों को निम्नानुसार दिये गये प्रायोजना कार्य में से एक प्रायोजना चयन में मदद की जानी चहिये।

प्रायोजना 1 :– क्षेत्र भ्रमण

यह विद्यार्थियों को अपने परिवेश में उपस्थित सक्रिय व्यावसायिक इकाईयों की विशेषताओं को समझने में सहायक होगा :–

विद्यार्थियों द्वारा स्वंय के परिवेश अनुसार निम्न में से किसी एक क्षेत्र का चयन प्रायोजना हेतु करना चाहिये :–

- एक हस्तशिल्प (हेण्डीक्राप्ट)इकाई
- कोई भी औद्योगिक इकाई
- थोक बाजार, (सब्जियाँ, फल, फूल, अनाज, वस्त्र इत्यादि)
- किसी डिपार्टमेंटल स्टोर का
- किसी मॉल का

- **हेण्डीक्राप्ट इकाई का भ्रमण :–** इसका उद्देश्य प्रकृति तथा व्यापार के अवसर को समझना है। भ्रमण करते समय निम्न बिन्दु प्रायोजना हेतु ध्यान रखे जाये।

1. कच्चा माल, तथा व्यापार में उपयोग करने की प्रक्रिया, लोग/पाटी/फर्म/ जिनसे कच्चा माल प्राप्त किया जाता है।
2. बाजार, खरीददार, बिचौलियों तथा क्षेत्र को शामिल करना।
3. समान को बनाकर निर्यात किये जाने वाला शहर।
4. श्रमिकों, कर्मचारियों, तथा सप्लायर्स के भुगतान की विधि।
5. कार्य करने की परिस्थितियाँ।
6. एक अवधि पश्चात् प्रक्रिया का आधुनिकीकरण
7. स्टाफ तथा कर्मचारियों के लिये उपलब्ध सुविधायें, सुरक्षा, प्रशिक्षण
8. स्थानीय परिवेश के अनुसार किसी हेण्डीक्राफ्ट इकाई (बस्तर का बेल मेटल कला, टेराकोटा, अन्य शिल्पकला) का चयन सुविधानुसार किया जा सकता है।
9. शिक्षक को उचित प्रतीत अन्य कोई बिन्दु।

- **औद्योगिक इकाई का भ्रमण :–** छात्रों को निम्नानुसार अवलोकन आवश्यक है।

1. व्यापार संगठन की प्रकृति
2. व्यापार इकाई के लिये स्थान निर्धारण
3. व्यावसायिक उद्यम का स्वरूप –एकल स्वामित्व,साझेदारी, अविभाजित हिंदू परिवार, संयुक्त स्टाक कंपनी (एक बहुराष्ट्रीय कंपनी)
4. प्रक्रिया/ उत्पादन के विभिन्न पद

6. प्रक्रिया में शामिल सहायक
7. कार्यरत कर्मचारी, पारिश्रामिक भुगतान की विधि, प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा उपलब्ध सुविधायें।
8. कर्मचारियों, निवेशकों, समाज, पर्यावरण तथा सरकार के प्रति जिम्मेदारियाँ।
9. प्रबंधन के स्तर
10. नियोक्ताओं तथा कर्मचारियों हेतु आचार संहिता।
11. नियोक्ता का पूंजी संरचना– Borrowed v/s Owned
12. गुणवत्ता नियंत्रण, खराब सामग्री का पुनः चक्रण (Recycling)
13. सब्सिडी उपलब्धता / उपयोगिता
14. सुरक्षा के नियोजित उपाय
15. श्रम कानूनों के अवलोकन द्वारा श्रमिक हेतु कार्य शर्तें।
16. कच्चा माल तथा तैयार माल का भण्डारण
17. कर्मचारियों, कच्चा माल तथा तैयार माल का परिवहन प्रबंधन
18. विभिन्न विभागों की कार्यप्रणाली तथा सामंजस्य(उत्पादन, मानव संसाधन,वित्त एवं विपणन)
19. अपशिष्ट प्रबंधन
20. अन्य विशेष अवलोकन

- **थोक बाजार, (सब्जियाँ, फल, फूल, अनाज, वस्त्र इत्यादि) भ्रमण :–**

छात्रों को निम्नानुसार अवलोकन आवश्यक है।

1. माल का स्त्रोत
2. स्थानीय बाजार की प्रथा
3. *कोई लिंकअप कारोबार* जैसे *ट्रांसपोर्टर्स*, पैकेजर्स, मनीलैण्डरर्स, एजेंट इत्यादि।
4. सौदे (निपटान) में माल की प्रकृति।
5. खरीददारों और विक्रेताओं के प्रकार।
6. माल भेजने का तरीका, क्रय न्यूनतम मात्रा, पैकेजिंग का प्रकार।
7. मूल्य उतार – चढ़ाव निर्धारित करने वाले कारक।
8. व्यापार को प्रभावित करने वाले मौसमी कारक(Seasonal factor)।
9. साप्ताहिक / मासिक गैर कार्य दिवस
10. हड़ताल (यदि हाँ तो संबंधित कारण)
11. भुगतान का तरीका।
12. Dead Stock का अवशेष तथा Disposal
13. मूल अस्थितरता की प्रकृति एवं कारण।
14. माल गोदाम उपलब्धता लाभ / सुविधायें।
15. अन्य कोई दृष्टिकोण।

■ डिपार्टमेंटल स्टोर का भ्रमण :–

छात्रों को निम्नानुसार अवलोकन आवश्यक हैं।

1. विभिन्न डिपार्टमेंटल स्टोर एवं उनके लेआऊट
2. विक्रय के लिये प्रस्तुत उत्पाद की प्रकृति।
3. ताजे उपलब्ध उत्पादों का प्रदर्शन
4. विज्ञापन संबंधी अभियान।
5. स्थान तथा विज्ञापन।
6. Sales Personnel द्वारा सहयोग।
7. स्टोर में बिलिंग काऊन्टर – कैश, क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड, स्वाईप सुविधा तथा काऊन्टर पर अतिरिक्त आकर्षण सुविधाएँ।

■ **मॉल का भ्रमण :–**

1. मंजिलों की संख्या अधिकृत तथा अनाधिकृत दुकानें।
2. दुकानों की प्रकृति तथा उनके मालिकाना हक की स्थिति।
3. सामानों के व्यापार की प्रकृति – लोकल ब्रांड तथा अर्न्तराष्ट्रीय ब्रांड
4. सेवा व्यवसाय दुकानें – स्पा, जिम सेलून्स आदि।
5. किरायें का स्थान / स्वामित्व का स्थान।
6. विभिन्न प्रकार की विज्ञापन योजनाएँ।
7. सर्वाधिक देखे जाने वाली दुकानें।
8. माल का विशेष आकर्षण – फूड कोर्ट, खेल जोन या सिनेमा आदि।
9. नवाचारी सुविधायें तथा पर्किंग सुविधायें।

टीप :– विद्यार्थी अपने परिवेश के अनुसार मड़ई / मेला भ्रमण को भी तथा अन्य कोई उपयुक्त विषय प्रयोजना हेतु चयन कर सकते है। इस हेतु प्रयोजना संबधित प्रश्नावली शिक्षक के सहयोग से एवं मार्गदर्शन द्वारा तैयार किया जाना चाहिये।

प्रयोजना दो

II. (a) प्रोजेक्ट दो – उत्पादों पर केस अध्ययन

(a) ऐसे उत्पाद से छात्रों के प्रायोजना हेतु जोड़े जो सदैव माँग में रहते हो व मौसमी(सीजनल) हो।

1. हिमाचल के सेब
2. नागपुर से संतरे
3. महाराष्ट्र /बिहार/आंध्रप्रदेश /यू.पी. के आम
4. पचगनी की स्ट्राबेरी
5. छत्तीसगढ का चॉवल
6. रायगढ का कोसा
7. असम की चाय
8. नार्थ ईस्ट इडिया से पाइनएप्पल

अन्य स्थानीय परिवेश अनुसार उदाहरण लिये जा सकते है।

प्रयोजना तीन :

व्यापार (Aids to Trade) :– किसी व्यापार से उदाहरण स्वरूप बीमा संबंधी निम्न बिंदुओं पर जानकारी एकत्र करना

1. बीमा लॉयड के योगदान का इतिहास
2. नियामक तंत्र का विकास
3. भारत की बीमा कंपानियाँ
4. बीमा के सिद्वांत
5. बीमा के प्रकार –व्यापारी के लिए बीमा का महत्व
6. फसलों, बागों ,पशु , मुर्गीपालन बीमा से किसानों को लाभ
7. उपयोग की गई शब्दावली (प्रीमियम, अंकित मूल्य, व्यापार मूल्य, परिपक्वतामूल्य संपूर्ण मूल्य) तथा उनके कार्य
8. बीमा कंपनी के रूचिकर तथा उपाख्यानों (anecdotes) मामले/बीमा कंपनी के साथ धोखाधड़ी संदर्भित फिल्मों का चित्रण
9. बीमा में केरियर

IV. प्रयोजना चार –

आयात /निर्यात प्रकिया :–छात्रों को अपने शहर में आयात /निर्यात किये जाने वाले सामान की पहचान होनी चाहिए वे चेम्बर ऑफ कामर्स, बैंकर, आयात/निर्यातक : इत्यादि इसके अतिरिक्त रेलवे गोदाम में भी छात्र भ्रमण कर सकते है। प्रयोजना रिपोर्ट की तैयारी एवं प्रस्तुतीकरण हेतु निम्न जानकारी लेना आवश्यक है।

1. संपूर्ण प्रायोजना एक फाइल प्रारूप में होगी। जिसमें शेयर तथा ग्रॉफ्स के मूल्य का रिकार्ड होना चाहिए।
2. परियोजना हस्तलिखित होना चाहिए।
3. प्रायोजना स्पष्ट व स्वच्छतापूर्वक फोल्डर में होनी चाहिए।

प्रयोजना रिपोर्ट निम्न पदों में तैयार की जानी चाहिए।

1. कवर पेज मे प्रोजेक्ट का शीर्षक, विद्यार्थी संबंधी जानकारी, शाला तथा सत्र का उल्लेख होना चाहिए।
2. सामग्री की सूची
3. प्रास्तावना तथा आभार
4. परिचय
5. उचित शीर्षक के साथ चयनित विषय
6. प्रयोजना कार्य के दौरान ,योजना एवं कार्यप्रणाली
7. प्रयोजना कार्य के दौरान अवलोकन तथा निष्कर्ष
8. शेयर कीमतो पर परिवर्तन को न्यूजपेपर द्वारा दिखाना
9. निष्कर्ष (भविष्य मे अध्ययन अवसर हेतु सुझाव या निष्कर्ष)
10. परिशिष्टि
11. शिक्षक की रिपोर्ट

12. प्रायोजना के प्रथम पृष्ठ पर शिक्षक हस्ताक्षर करे
13. प्रयोजना का मूल्यांकन , कार्य पूर्ण होने पर इसमें केन्द्र में छिद्रण किया जाए ताकि इसका पुनः उपयोग न किया जा सके (केवल संदर्भ हेतु)
14. प्रोजेक्ट मूल्यांकन पश्चात छात्रों को वापस किया जाएगा। श्रेष्ठ प्रोजेक्ट को शाला में रखा जा सकता है।

V. प्रयोजना पाँच – स्टेट एम्पोरियम भ्रमण

इस प्रयोजना का उदेश्य है।

1. विभिन्न राज्यों के उत्पादों की विविधता की गहरी समझ विकसित करना।
2. अन्य राज्यों, उसकें व्यापार, व्यवसाय व वाणिज्य के प्रति संवेदनशीलता तथा उन्मुखीकरण।
3. राज्यों की सांस्कृतिक तथा सामाजिक आर्थिक पहलुओं को छात्रों को समझना
4. राज्यों के उन्नति व आर्थिक विकास में राज्य की लोककलाऐं, कारीगरी, शिल्प कौशल की भूमिका को समझना
5. प्रकृति के उपहार तथा प्राकृतिक उत्पादन का व्यापार,व्यवसाय तथा वाणिज्य की भूमिका को समझना।
6. कलाकार /कारीगर की अजीविका पर व्यवसायिक कौशल तथा योग्यता की भूमिका को समझना।
7. कलाकारो /कारीगरो की उद्यमी क्षमताओं तथा योग्यताओं को समझना।
8. राज्य मे बेरोजगारी समस्या तथा कला/शिल्प से राज्य में रोजगार की संभावनाओं अवसर उत्पन्न करने को समझना।

Value Aspect

1. आभार व्यक्त करने भावना
2. कार्य की गरिमा को प्रोत्साहन
3. सामाजिक, सांस्कृतिक, नैतिक तथा धार्मिक मतभेद के प्रति संवेदनशीलता
4. भारत मे विविधता में एकता की समझ तथा प्रशंसा
5. प्रतिस्पर्धा में त्वचा रंगभेद ,व्यवहार, भाषा, धर्म, त्यौहार मतभेद के अस्तित्व की सराहना

निर्धारित अवधि के अंत में प्रत्येक छात्र अपनी प्रायोजना रिपोर्ट तैयार कर प्रस्तुत करेगा। जिसके लिए निम्न आवश्यक व अनिवार्य है।

1. व्यापार संगठन की प्रकृति
2. संबंधित एम्पोरियम के लिए स्थान का निर्धारण
3. किराये का अथवा स्वामित्व
4. dealt good की प्रकृति
5. एम्पोरियम के व्यापार का स्त्रोत
6. व्यापारी माल की मार्केटिंग /विनिर्माण में सहकारी संस्थाओं की भूमिका
7. उत्पाद /व्यापारी माल के प्राकृतिक उत्पादन व प्रकृति के उपहार की भूमिका
8. खरीददार व विक्रेता के प्रकार

9. समान के फैलाव के तरीके ,न्यूनतम विक्रय सामग्री, माल की डिलवेरी हेतु पेकिंग में उपयोग या इस्तेमाल किए जाने वाले बैग का प्रकार
10. एम्पोरियम पर मूल्य निर्धारण कारक

11. बाजार में उपलब्ध सामान का मूल्य तथा एम्पोरियम में उपलब्ध सामान के मूल्य में अंतर तथा इसके मूल्य परिवर्तन के संभावित कारण
12. प्राकृतिक रूप से उपलब्ध कच्चे माल का प्रकार एवं इसका उत्पादन बनाने में उपयोग
13. उत्पादन में प्रयुक्त तकनीक द्वारा बनाया गया, मशीन द्वारा बनाए गया समान में बाल श्रम का उपयोग किया गया है।
14. क्या उत्पाद पर्यावरण अनूकुल है। (पैकिंग निपटान के संदर्भ में)
15. एम्पोरियम के व्यापार को प्रभावित करने वाले सीजनल कारक यदि हो तो
16. साप्ताहिक व मासिक कार्यदिवस।
17. बिलिंग व भुगतान का तरीका नगद, केडिट कार्ड, डेबिट कार्ड, स्वाइप।
18. क्या बिक्री पश्चात् घर पहुंच सेवा उपलब्ध कराते है।
19. क्या एम्पोरियम आप से माल किस्त /अस्थगित भुगतान पर बेचते है।
20. विभिन्न प्रकार के प्रचार अभियान/योजनाएँ।
21. क्या एम्पोरियम में प्रक्रिया हेतु उन्मुखीकरण का उपयोग किया गया।
22. क्षतिग्रस्त /वापसी सामान हेतु नीतियाँ।
23. एम्पोरियम हेतु कोई सरकारी सुविधा है।
24. उपलब्ध /उपयोग की गई भंडार सुविधाएँ।
25. ग्राहको हेतु अतिरिक्त सुविधा।
26. एम्पोरियम द्वारा ग्रहण किया गया कोई कार्पोरेट सामाजिक दायित्व (C.S.R.)
27. क्षेत्र में एम्पोरियम का योगदान।
28. एम्पोरियम व्यवसाय पर पर्यटन का प्रभाव।

टीप :– प्रायोजना हेतु दिये गये विषय मात्र उदाहरण स्वरूप है शिक्षक स्थानीय परिवेश/पाठ्यक्रम अनुसार विद्यार्थियों को प्रायोजना चयन हेतु पृथक विषय तथा मार्गदर्शन दे सकता है।

छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल, रायपुर

मूल्यांकन योजना (Evaluation Scheme)

सत्र 2017–18

कक्षा – ग्यारहवीं (XI)

विषय – अर्थशास्त्र (Economics)

Subject Code – (303)

प्रायोजना कार्य (Project Work)

अधिकतम अंक : 20 अंक
(Max. Marks 20)

सरल क्रमांक S.No.	विषयवस्तु (Heading)	अंकभार Marks allotted
1	विषय–वस्तु प्रसंग (Relevance of the topic.)	3 Marks
2	विषय–वस्तु ज्ञान/अनुसंधान कार्य Knowledge Content/Research work.	6 Marks
3	प्रस्तुतिकरण तकनीक Presentation Techniques.	3 Marks
4	मौखिक Viva.	8 Marks
	Total (कुल अंक)	**20 Marks**

उदाहरण स्वरूप दिये गए प्रायोजना के दिशा निर्देशानुसार छात्रों को प्रायोजना बनाने के लिये प्रोत्साहित, किया जा सकता है। कुछ संगठनों और दुकानों के अध्ययन से भी प्रोत्साहित किया जा सकता है। इसके अंतर्गत छात्रों को पाठ्यक्रम भाग–1 तथा भाग–2 के आधार पर एक व्यापक प्रायोजना करनी है।

उदाहरण स्वरूप कुछ प्रायोजना निम्नानुसार है (जो अनिवार्य नहीं है सुझाव स्वरूप है)

1. अपने पड़ोस के जन सांख्यिकीय संरचना पर रिपोर्ट तैयार करना।
2. परिवारों के बीच उपभोक्ता जागरूकता संबंधी बदलाव लाना।
3. उत्पादकों के लिए मूल जानकारी का प्रसार और उपभोक्ताओं पर इसके प्रभाव।
4. एक सहकारी संस्था का अध्ययन : दुग्ध सहकारी समितियां, विपणन सहकारी समितियां इत्यादि।
5. सार्वजनिक निजी साझेदारी, आउट सोर्सिंग तथा बाह्य विदेशी प्रत्यक्ष निवेश इत्यादि पर केस स्टडी।
6. गलोबल वार्मिंग
7. स्कूलों में लागू करने योग्य पर्यावरण के अनुकूल प्रायोजनाओं को निर्मित कराना। (जैसे पेपर व पानी का पुनः चक्रकीयकरण)

इस इकाई को प्रारंभ करने का उद्देश्य विद्यार्थियों को तरीके और साधनों को विकसित करने के लिए सक्षम करना है कोर्स में सीखने का कौशल का उपयोग करके एक प्रोजेक्ट विकसित किया जा सकता है। एक प्रायोजना डिजाइन करने के समस्त चरण : शीर्षक चुनाव, चयनित शीर्षक संबंधी समस्त जानकारियों का संग्रह, प्रायोजना का प्रस्तुतीकरण, प्राथमिक एवं द्वितीयक डाटा का संग्रह, आंकड़ों का विश्लेषण, प्रयुक्त विभिन्न सांख्यिकीय उपकरण, उनकी व्याख्या, उपयोग एवं निष्कर्ष शामिल है।

टीप :– स्थानीय परिवेश तथा उपलब्धता अनुसर शिक्षक छात्रों को प्रायोजना चयन की अनुमति तथा मार्गदर्शन प्रदान कर सकते हैं।